2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 32 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हा. से. स्कूल सर्टि. परीक्षा

केन्द्र क्रमांक की सील: 681008

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 0 0 1 परीक्षा का विषय हिन्दी (विशिष्ट)
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 12 May. 2009
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट **A, B, C,**या **D**) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2001	C

उत्तर पुस्तिका का ... 085

... ल क्रमांक **K**

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	6	8	1	6	2	6	1

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

	नौ	छः	आठ	एक	छः	दो	छः	एक

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 03 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ——

नाम S. ... पद SS-02

पता / संस्था G.N.M.S ...

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं। —X—

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

प्रश्न
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
कु प्रा

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिका... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान ...

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 9340009 दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास' किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 33 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ + ... = ...

प्रश्न क्र० 1

रिक्त स्थानो की पूर्ति करो :-

1. राजकुमार गौतम संसार के दुःखों से छुटकारा पाने के लिए तपस्या करने गए थे।

2. कवि निराला ने पृथ्वी का आँचल सुनहरी धान को कहा है।

3. भगवतीचरण वर्मा के मानस गुरु गणेशशंकर विद्यार्थी थे।

4. 'जहाँगीर जस चन्द्रिका' के रचयिता केशवदास है।

5. आलोचना के क्षेत्र मे बरदानस्वरूप आचार्य रामचन्द्रशुक्ल का आगमन हुआ।

प्रश्न क्र० 2

1. 4

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

[ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 4 के अंक | कुल अं.

मध्यप्रदेश

2. बसंत गीत

3. आलौकिक सत्ता के प्रति प्रेम

4. परिवार से मिलने की उत्सुकता पर

5. आठवें

BSEMP

प्रश्न क्रमांक 3

1. भाषा का सम्बन्ध मनुष्य की ध्वनियो से होता है।
⇒ सत्य

2. 'नदी के द्वीप' रचना के कवि अज्ञेय है।
⇒ सत्य

3. कवि सोम ठाकुर ने वर्तमान की विसंगतियो पर तीखा प्रहार किया है।
⇒ असत्य

4. समस्त प्रसिद्ध कारण के उपस्थित रहने पर भी कार्य सम्पन्न न हो वहां विभावना अलंकार होता है।
⇒ असत्य

पृष्ठ के अंकों का योग

[ ] + [ ] = [ ]
य... पृ... कुल अंक

5. अध्यक्ष की एक विशेषता होती है कि वह समय से कार्यस्थल पर पहुँचता है।
⇒ असत्य

प्रश्न क्रमांक 4

1. हिन्दी गद्य साहित्य की धरोहर → निबन्ध
2. बालह मैं बैरागिन हूँगी → मीराबाई
3. सुपर कम्प्यूटर → नैनो टैक्नोलॉजी
4. आत्मकथा के छोड़ से निकली विधा → संस्मरण
5. मध्यमवर्गीय परिवार की समस्या → नये मेहमान

प्रश्न क्रमांक 5

1. सुजान ने
2. कायर पर

B S E M

अंकों का योग

(6) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 6 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

3. सरल वाक्य।

4. साधु की संगति को।

5. रामदरश मिश्र।

B S E M P

प्रश्न क्रमांक 6

कवि वीरेन्द्र मिश्र बलिदानी रंग से अपना सीधा सा तात्पर्य उन बीर सपूतों से निकालना चाहते हैं, जिन्होने भारत माता के लिए अपने प्राणों को लगा दिया। भारत माता को बलिदान स्वरूप अपना रक्त अर्पण किया। उन बीर सपूतो का रक्त जिससे भारत माता की धरती रक्त रंजित है।

भारत के उन बीर सपूतों की स्मृति, उनका देशप्रेम व उनकी वीरता के फलस्वरूप कवि ने उन बीर सपूतो को रक्त-चरित वाला कहा है। कवि के अनुसार चूंकि रक्त का रंग लाल होता है, अतः इन बीर सपूतो को कवि ने बलिदानी रंग के रूप मे पाया है। कवि इन वीर सपूतो को जिन्होने देश के

पृष्ठ के अंकों का योग

7 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 7 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर दिया, अतः कवि वीरेन्द्र मिश्र ने इन वीर योद्धाओ व उनकी वीरता को "बलिदानी रेखा" का नाम दिया है।

प्रश्न क्रमांक 7

महत्ता कविता के कवि श्री मैथलीशरण गुप्त ने भारतवर्ष की विविध विशेषताओ का संपूर्ण वर्णन किया है। कवि ने, भारत वर्ष को अनपढ़ व अशिक्षित कहने वालो पर तीखा प्रहार कर ऐसे कहा है कि आज आप जो भी कार्य कर रहें हो भारतवर्ष मे ये कार्य सदियो पूर्व हो चुके हैं। जो लोग नए-नए अनुसंधान व खोज कर रहे है, वे जहाँ भी खोज करते जाते हैं, वहाँ पर भारतवर्ष को पहले ही पहुंचा पाते हैं।

जैसे-जैसे नवीन अनुसंधान होते जाएगे वैसे-वैसे भारत की श्रेष्ठता पर ओप चढ़ती जाएगी। हमने हमेशा खुद पीछे रहकर दूसरो को आगे बढ़ाना सीखा है। प्राचीनकाल में सभी देशो के बालक भारत मे शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से आते थे। फिर भी "महाभारत" जैसा महासमर भारत के लिए मरण था। परंतु फिर भी हमने यूनान जैसे अनपढ़ व असभ्य देशो को शिक्षित कर दिया।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

इस प्रकार कवि मैथिलीशरण गुप्त ने अपनी कविता महल्ला के माध्यम से भारतवर्ष की प्राचीन विरासत व श्रेष्ठता का परिचय दिया है।

प्रश्न क्रमांक 8

कई विद्वानो ने हिन्दी कविताओ के विकासक्रम को बाँटने का प्रयास किया परन्तु सर्वसम्मत रूप से विभाजन कुछ इस प्रकार रहा। आधुनिक हिन्दी कविता का प्रारंभ संवत 1900 से माना जाता है कविता के विकास को निम्नलिखित पाँच भागो मे विभाजित किया गया है।

① भारतेन्दु युग → 1850ई. – 1900ई.

② द्विवेदी युग → 1900ई.– 1920 ई.

③ छायावाद → 1920ई. – 1936ई.

④ प्रगतिवाद → 1936ई. – 1943ई.

⑤ प्रयोगवाद → 1943ई. – 1950ई.

नई कविता → 1950ई. – अब तक

BSEMP

1

पृष्ठ के अंकों का योग

इन कालों के अनुसार हिन्दी साहित्य का प्रवेश द्वार भारतेन्दु युग को माना जाता है।

प्रश्न क्रमांक 9

जीवनी व आत्मकथा में निम्नलिखित अंतर है-

आत्मकथा	जीवनी
① यह किसी लेखक द्वारा लिखी गई, स्वयं के जीवन की कथा होती है।	② यह किसी लेखक द्वारा अपने चरित नायक के बारे मे लिखी गई रचना है।
② आत्मकथा में लेखक अपने जीवन का समग्र चित्रण करता है।	② जीवनी में लेखक चरित नायक की उपलब्धियों व कमियों का वर्णन करता है।
③ यह प्रासंगिक होती है।	③ यह अप्रासंगिक होती है।
④ लेखक जीवन की घटनाओं का नपा-तुला वर्णन करता है।	④ लेखक, चरित नायक के जीवन पर मात्र सूचना रखकर प्रकाश डालता है।

P.T.O.

BSEMP

प्रसिद्ध आत्मकथा ⇒ महात्मा गाँधी → सत्य के प्रयोग
हरिवंशराय बच्चन → क्या भूलू, क्या याद करु

प्रसिद्ध आत्मकथा → अमृतराय → कलम का सिपाहि

प्रश्न क्रमाँक 10

लेखक रामनारायण उपाध्याय के अनुसार "साहित्य एक अमूल्य निधि है" अतः लेखक साहित्य से बहुत स्नेह करते है। लेखक के अनुसार साहित्य ही जीवन की रुपरेखा है उपाध्याय जी के अनुसार साहित्य सेवा एक परम धर्म है। हम जितना अधिक साहित्य से लगाव रखेंगे उतना ही हम ठीक महसूस करेगें।

लेखक के अनुसार साहित्य लिखने के लिए किसी चारपाई या किसी दिया आदि की आवश्यकता नही होती। साहित्य तो केवल विचार स्वरुप होता है, जिसे आपको लेख मे बदलना होता है साहित्य से जब सृजन हो सकता है तो उसे महत्व क्यों न दिया जाए। साहित्य ही वह निधि है, जो हमे नवीन राहो के अन्वेषी बनाती है। लेखक के अनुसार साहित्य मे शैली उतनी आवश्यक नही होती जितना कि आपने विचारो से उस कृति की

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रशंसा। नई किताब का छपना आवश्यक नहीं है, परंतु अपने लोगो का स्नेह साहित्य के लिए कहीं अधिक आवश्यक है। अतः इस प्रकार लेखक "साहित्य में स्नेह को अधिक मूल्य देते हैं"।

प्रश्न क्रमांक 11

कुमार गंधर्व के अनुसार भारतीय गायिकाओ में लता जी बेजोड़ है उन्होंने चित्रपट संगीत को एक नई दिशा प्रदान की है लता की गायिकी का अनुमान इस बात से लगाया जाता है कि, आज छोटे- बच्चे से लेकर बड़े- बूढ़े तक लता जी के गायन की धुन पर गुनगुनाया करते है।

लता जी के गायन की प्रमुख विशेषता है, उनका 'नादमय उच्चारण' अर्थात लता जी दो शब्दो के बीच के खाली स्थान को इतनी सफाई से इस प्रकार मिला देती है, कि दोनो शब्दो के बोल एक दूसरे से लयात्मक रूप मे जुड़ जाते है। लता जी के गायन आज भारत ही नहीं विश्व के प्रत्येक देश मे सुना जाता है लता जी का गायन उनकी गायन की कला व उनकी स्वर की विशेषता के कारण एक विशेष स्वरूप धारण कर लेता है। इस प्रकार गायन

B S E M P

अंकों का योग

गायन की इन सभी महत्वपूर्ण प्रवृत्तियों के कारण लता जी को स्वर सामाग्री भी कहा जाता है। महान गायक पं. दीनानाथ मंगेश्कर की सुपुत्री लतामंगेश्कर के गाने आज हर संगीत प्रेमी की जुबान पर होते हैं। लता जी के गानों की मधुर तान मे कोई भी संगीत मे सराबोर हो जाता है। यही लता जी की लोकप्रियता का मुख्य मर्म है।

प्रश्न क्रमांक 12

जब कही दुःख, व्यथा या शोक आदि का भाव नजर आता है, वहां पर करुण रस होता है"। दूसरे शब्दो मे " जब शोक नामक स्थाई भाव विभाव, अनुभाव व संचारी भाव से संयोग कर लेता है तो वहाँ करुण रस उत्पन्न होता है"।

करुण रस का स्थाई भाव, शोक है।

उदाहरण →

(1) अभी तो मुकुट बँधा था माँथ,
कल ही हुए हल्दी के हाथ।
खुले भी न थे लाज के बोल,
खुले न थे चुंबन शून्य कपोल।
हाय रुक गया यहीं संसार,
बना सिंदूर अंगार॥

BSEMP

पृष्ठ के अंकों ५

(2)

कौरवों के चिता पर रोने को,
श्राद्ध करने को वहां पर।
बचा नहीं था कोई और,
एक अबला एक अन्धे के सिवा।।

प्रश्न क्रमांक 15

अ मुहावरो का वाक्यों मे प्रयोग

(i) उल्टी गंगा बहाना → अलग-अलग चलना, ठीक कार्य न करना

वाक्य प्रयोग → राम अब तुम उल्टी गंगा बहाना बंद करो व मेहनत कर रुपय कमाओ।

(ii) पगड़ी उछालना → बेइज्जत करना।

वाक्य प्रयोग ठाकुर हमें माफ कर दीजिए, हमारी इस प्रकार पगड़ी न उछालिये।

ब प्रत्येक राष्ट्र की एक सर्वसम्मत भाषा होती है, जिसे उस राष्ट्र की राष्ट्रभाषा कहते हैं। यह भाषा उस राष्ट्र मे सम्पर्क का एक प्रमुख

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

माध्यम होती है। उदाहरण स्वरूप - भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी है। जापान की राष्ट्रभाषा जापानी है।

राष्ट्रभाषा की विशेषतायें ⇒ ① राष्ट्रभाषा देश की अधिकतम जनता द्वारा, बोली, पढ़ी व लिखी जा सकती है।
② देश के सरकारी काम-काज आदि कार्यों मे उस भाषा का प्रयोग होता हो।
③ दूरदर्शन व समाचार पत्रों की भाषा हो।

ISEMP

प्रश्न क्रमांक 14

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ⇒ निबंध मे "हिन्दी साहित्य के इतिहास" के लेखक के रूप मे इनका नाम प्रसिद्ध है।

रचनाएँ ⇒ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी ने कई रचनाएँ लिखी जिनमें से प्रमुख इस प्रकार हैं

① चिन्तामणि - भाग-I, भाग-II
② हिन्दी साहित्य का इतिहास
③ विचार - विथी

पृष्ठ के अंकों का योग

भाषा - शैली ⇒ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी ने अपनी रचनाओ परिष्कृत हिन्दी भाषा का प्रयोग किया है आपने अपनी भाषा को प्रभाव पूर्ण बनाने के लिए यदा - कदा, उर्दू, फारसी, अंग्रेजी आदि भाषाओ के शब्दो का प्रयोग किया है भाषा बोध - गम्य व सुगम है आपने आपकी भाषा मे चमत्कार उत्पन्न करने के उद्देश्य से मुहावरो आदि का भी प्रयोग किया है।

आपकी शैली प्रमुखतः मनोवैज्ञानिक व आलोचनात्मक रही है। आपने अपनी शैलीगत विशेषताओ के कारण चिन्तामणि जैसे संग्रह की रचना की यह एक बेजोड़ रचना संग्रह है आपने कहीं - कहीं शुक्ल युगीन विशेषताओ का प्रयोग कर रचना विधान को बढ़ाया है हिन्दी के प्रमुख निबंध कारो में आपका नाम सदैव अमर रहेगा।

प्रश्न क्रमांक 15

सूरदास → हिन्दी काव्य के इतिहास मे आप 'वात्सल्य सम्राट' के रूप में पहचाने जाते है।

रचनाएँ ⇒ सूरदास का वात्सल्य के लगाव के फलस्वरूप

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

कई वात्सल्य से युक्त रचनायें लिखी जिनमें से प्रमुख इस प्रकार है।

① सूरसागर
② सूरसारावली
③ साहित्यलहरी

भावपक्ष - कलापक्ष → सूरदास जी का भावपक्ष अति उज्जवल है, आपने मुख्यतः ब्रजभाषा में अपनी रचनायें लिखी है। आपकी रचनाओ में फारसी व उर्दू के शब्द भी मिलते है। आपने अपनी रचनाओ मार्मिक शब्दो पर विशेष जोर दिया है तथा संस्कृत के तद्भव व तत्सम शब्दो का भी प्रयोग किया है।

समस्त कवियो मे सूरदास का का कलापक्ष अति उज्जवल है। वात्सल्य की जैसी रचनायें सूरदास ने लिखी है, संसार मे अन्यत्र कही नही मिलती आपने अपने काव्य में शांत, वीर व वात्सल्य रसो का प्रयोग किया है। आपके समस्त काव्य माधुर्य व प्रसाद गुण प्रधान है। आपने कई उपमानो का प्रयोग भी किया है।

साहित्य में स्थान → वात्सल्य के चितेरे कवि के रूप में सूरदास का नाम सदैव हिन्दी साहित्य में अमर रहेगा।

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्रश्न क्रमांक 16

दुःख या आपत्ति - - - - - - - - - रहता है।

सन्दर्भ ⇒ उपरोक्त गद्य खण्ड हमारी पाठ्य पुस्तक " स्वाती - हिन्दी विशिष्ट " के गद्य खण्ड के पाठ " भय " से लिया है। इसके लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी हैं।

प्रसंग ⇒ पंक्तियो में लेखन ने भय व आशंका मे अंतर स्पष्ट किया है।

व्याख्या ⇒ लेखक के अनुसार यदि हमे दुःख व आपत्ति के आने का पूर्ण निश्चय नहीं है तथा केवल एक सम्भावना मात्र है, तथा जिसका आवेग शून्य है, तो इस प्रकार के भय को आशंका माना जाता है, अर्थात् जहां मात्र शंका का वातावरण हो। इस प्रकार की आशंका में हम उस प्रकार आकुल नहीं रहते जिस प्रकार हम भय के होने पर होते हैं। परंतु यह आशंका धीमे - धीमे व अधिक समय तक हमारे मन व मस्तिष्क पर निवास करती है। यह एक आवेग शून्य भय होता है। जिसका अनुमान मात्र होता है तथा यह एक दीर्घकालिक भय है।

BSEMP

विशेष → ① भय व आशंका के मध्य संबंध
② मनोवैज्ञानिक शैली
③ विश्लेषण किया गया है

प्रश्न क्रमांक 17

वह जवानी - - - - - - नौजवानो।

सन्दर्भ → उपरोक्त पद्यखण्ड हमारी पाठ्य पुस्तक "स्वाति-हिन्दी विशिष्ट" के देश प्रेम खंड के पाठ "राष्ट्र के श्रृंगार" से लिया गया है इसके लेखक श्रीकृष्ण सरल जी है

प्रसंग → यहाँ कवि वीर रस मे देश के नौजवानो को जवानी मे देश के उत्थान के बारे मे बता रहे है

व्याख्या → कवि के अनुसार मेरे देश के नौजवानो, तुम्हारी वह जवानी जो जीना और मरना जानती है, अर्थात देश की रक्षा को तत्पर है अपने अन्दर ज्वालामुखी को उतारना चाहती है, जो जवानी अपने बाजुओ पर

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

पर्वत का बोझ ढो सकती है यह जवानी मौत के सारे खेल खेलती है, देश के विध्वंश को जवानी नवनिर्माण की ओर मोड़ सकती है यह जवानी पत्थर की प्रत्येक शिला पर अपने पदचिन्ह छोड़ सकती है कवि कहते हैं कि ऐसा ही उत्थान आज देश तुमसे माँगता है नौजवानो देश को नई प्रगति की ओर अग्रसर करो।

विशेष → ① वीर रस का प्रयोग
② ओज गुण है
③ नौजवानो को संकल्प दिया है
④ तुक है

प्रश्न क्रमांक 18

क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक चरित्र का महत्व है।

ख) चरित्र मानव के विकास मे अति महत्वपूर्ण है चरित्र ही मानव जीवन को सफल बनाती है, जिस व्यक्ति ने चरित्र निर्माण नहीं किया उसका जीवन व्यर्थ है यह बात हमे कई हानी व बुद्धि वाले राजाओं

पृष्ठ के अंकों का योग

के कारण मिली है चरित्र रूपी धन, विद्या, धन सम्पत्ति आदि की शक्ति से भी महान होता है यदि हमें मानव जीवन में यदि हमे सफलता प्राप्त करना है तो हमें चरित्र का निर्माण करना होगा। यदि हम अपना चरित्र निर्माण करेंगे तो इस प्रकार राष्ट्र के चरित्र का निर्माण होगा।

ग चरित्र रूपी शक्ति, विद्या, बुद्धि और सम्पत्ति की शक्ति से भी महान होती है।

⇒

BSEMP

(21) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 21 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

प्रश्न क्रमांक 19

प्रति,

सचिव,

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल

DD/XX/221

M/(SAKET) Nag.

ZP.

विषय → अंक-सूची की द्वितीय प्रति हेतु

महोदय जी,

नम्र निवेदन है कि मैंने कक्षा बारहवी की परीक्षा सन् 2006-07 मे एक नियमित विद्यार्थी के रूप मे स्कूल XXXXXX से दी थी। दुर्भाग्यवश मेरी अंकसूची खोगई है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति प्रदान कर अनुग्रहीत करें। मैंने 20रु. का बैंक ड्राफ्ट आपके नाम से भेज दिया है।

छात्र का नाम → PPPPPPP

पिता का नाम → RRRRR

रोल नं० → 0000000000

सन् → 2006-07

परीक्षा केन्द्र → XXXXX, 600XY

संलग्न → 20रु. ड्राफ्ट

पृष्ठ के अंकों का ५.

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी

दिनाँक → XX/YY/DD   नाम → XXXX

पता → DD/XX/ZZ
स्थान → M/----   M/(SAKET) Nag.
ZP.

प्रश्न क्रमांक 20

"दूर करो मानवता पर अत्याचार, दूर करो यह आतंकवाद"।

आतंकवाद : अन्तर्राष्ट्रीय समस्या

1. प्रस्तावना ⇒ किसी ने यह ठीक ही कहा है कि भारत एक समस्या प्रधान राष्ट्र है फिर चाहे, बिजली, पानी, व आवास समस्या हो या फिर, बेरोजगारी, पॉवर व अन्य समस्यायें हो परन्तु वास्तव मे आतंकवाद एक नई समस्या जो भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व केलिए एक महत्व समस्या बनकर उभरी है आतंकवाद वास्तव मे हर राष्ट्र व प्रत्येक नागरिक के लिए खतरा है आतंकवाद से लड़ने के लिए मात्र एक व्यक्ति, एकराज्य या एक देश

BSEMP

/

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

को ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण संसार को मिलकर एक यूनियन के रूप में कार्य करके इसे जड़ मूल समेत उखाड़कर फेंकना होगा।

2. आतंकवाद का अर्थ ⇒ आतंकवाद का शाब्दिक अर्थ होता है, आतंकी राज परन्तु यह इस शाब्दिक अर्थ से कहीं अधिक भयावह अर्थ रखता है अभी आतंकवाद का व्यापक फैलाव पूरी दुनिया में हो रहा है आतंकवाद के अंत के लिए सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र संघ को अपना कार्य करना चाहिए।

3. आतंक का उद्भव ⇒ वास्तव में कोई यह ठीक तरह से नहीं बता सकता कि वास्तव में आतंकवाद कब उत्पन्न हो रहा है, क्योंकि यह हमारे अन्दर, समाज के अन्दर, शहर के अन्दर, राज्य के अन्दर देश के अन्दर, व अन्य राष्ट्रो के अन्दर कहीं भी फल फूल सकता है।

आतंकवाद के जन्म के लिए किसी एक देश या राष्ट्र को जिम्मेदार ठहराना गलत है हम किसी संप्रदाय को आतंकवाद के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं क्योंकि आतंकवादी का कोई धर्म, कोई राष्ट्र नहीं होता है वह एक विकृत मानसिकता का व्यक्ति होता है जो अपने कार्यो के लिए किसी की भी जान ले सकता है

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

4. आतंक की बिभीषिका → आज हम आतंक की विभीषिका कई रूपों मे देख चुके है।
जिनमे से प्रमुख इस प्रकार है
① आपरेशन ब्लू-स्टार
② मुबंई ब्लास्ट
③ लंदन ब्लास्ट
④ 9/11
⑤ 26/12
आदि ये आतंक के वे मंजर थे जिन्होने देश को हिला कर रख दिया था। भयानक थाहि जिसने लोगो की नींद उड़ा दी थी।

5 उपसंहार → इस प्रकार हम देखते है कि आतंकवाद मानवता पर वो कोढ़ है जो उसे डसती ही जाएगी। हमे इस समस्या का एक सटीक हल निकालना आवश्यक है अन्यथा हमें कई घातक परिणाम प्राप्त होगे।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 25 के अंक	=	कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 26 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 27 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 28 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 29 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 30 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 31 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

(32)

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 32 के अंक	=	कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग